>

Title: Regarding Rs. 3600 crore Agusta Westland VVIP helicopter deal.

श्री शरद यादव (मधेपुरा): उपाध्यक्ष महोदय, यह मामला सुबह उठाना था, लेकिन अब यह शून्य काल में आ गया है। देश भर में लोगों का मन काफी परेशान है। मैं मानता हूं कि भ्रष्टाचार होते हैं, लेकिन भ्रष्टाचार काफी सीमा तक बढ़ गया है। हम भ्रष्टाचार का एक मामला उठाते हैं, तो दूसरा मामला सामने आ जाता है। एक मामला हाथ में लेते हैं, वह पूरा नहीं होता, दूसरा मामला सामने खड़ा हो जाता है।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपका ज्यादा समय नहीं लूंगा। मैं अगस्टा वेस्टलैंड हेलिकॉप्टर की खबर के बारे में कहना चाहता हूं। ऐसा नहीं है कि देश में उसकी खबर नहीं थी। यह मामला पहले भी उठता रहा है, लेकिन चलिए छोड़िये। पहले यह मामला नहीं था, तो अब आ गया और वह खबर दूसरे देश इटली से आयी, यानी उनको एतराज है कि इसमें पैसा लिया गया, पैसा खाया गया। बहुत अच्छी बात है। इसी तरह से टाट्रा ट्रक वाला मामला आया। वह खबर भी बाहर से आती है। दूसरे देश से सूचना आती है तब हम लोग, सरकार खासकर, क्योंकि हम लोगों को पता भी रहता है और उसे उठाते भी हैं तो कोई मानता नहीं है। अब रिटेल में एफडीआई आयी। वह अच्छा है या बुरा, उस पर मैं बहस नहीं कर रहा हूं। लेकिन उसकी खबर भी बाहर की संसद से आती है कि इसमें डेढ़ सौ करोड़ रुपये खिलाए पिलाए गए। खबर बाहर से आती है। यहां से जो खबर आती है, उस मामले को आप मुस्तैदी से नहीं लेते, कहीं रगड़ते नहीं। अब यह मामला आया। खासकर डिफेंस के मामले में चार मामले आ गये। आदर्श हाउसिंग सोसायटी का मामला सीबीआई को दे दिया। टाट्रा ट्रक का मामला सीबीआई को दे दिया। अब अगस्टा वेस्टलैंड वाला मामला आया, उसे सीबीआई को दे दिया। यह सीबीआई * ... है। ये मामले आते रहते हैं। आपने... * -- सीबीआई। सबको सीबीआई ...* अंग्रेजी की बात कर रहा है। ...(व्यवधान) हमारे गांव में कहते हैं ... जिसमें सांप, बिच्छु तमाम तरह की चीजें रहती हैं। यह सीबीआई ...* है। डिफेंस मिनिस्टर अपनी इमेज बचाने के सिवाय कोई दूसरा काम नहीं कर रहे। कोई मामला आया, यानी सीबीआई जैसे कोई थाना हो, उसे सीबीआई के थाने में दे दिया।

टेट्रा का मामला आया, तो सीबीआई को दे दिया, फिर आप किस कर्म के हैं? आप क्या काम कर रहे हैं? मैं बड़ी इज्जत करता हूं इनकी, लेकिन आप कुछ करें ही नहीं, कोई रास्ता ही नहीं है। 65 साल हो गए, कैसे-कैसे लोग इसमें मालदार हो गए, क्या यह हमको-आपको पता नहीं है। यह ऐसा धंधा है जिसमें लोग रातों-रात मालामाल हो जाते हैं। अब इस मामले में वहां की अदालत ने केस चला दिया, बात पक्की हो गयी कि इस मामले में खाया-पिया गया। घूसखोर इस देश का कौन है, अब यही आपको पता लगाना है। ज्यादा कोई चीज पता नहीं लगानी है, बाकी चीजें पता लग गयी हैं। इसमें सीबीआई क्या करेगी? आप अगर इसमें सीबीआई को लगा देंगे, तो यह एक ...* है। इसमें से बड़ा भ्रष्टाचार, राजनीतिक भ्रष्टाचार अंदर से बाहर नहीं आता है। यदि एक कत्ल का केस होगा, अपराध का केस होगा, यह संस्था अच्छा काम करेगी, लेकिन राजनीतिक भ्रष्टाचार के लिए इसको जान लिया गया है कि यह एक ...* है, कुछ नहीं करना है, तो इसमें डाल दो, इस कबाड़खाने में डाल दो, इस ...* में डाल दो। फाइनेंस मिनिस्टर साहब, अब आपको एक ही बात पता लगानी है कि यहां किसने घूस ली। वहां क्या हुआ, हमें इसकी परवाह नहीं है। यहां किसने घूस खाई है, वह कौन है? वह व्यक्ति आज आपके पास, आपके करीब है। सरकार यदि जरा ताकत और संकल्प दिखा दे, सब तंतू आपके पास है, दो मिनट में वह पकड़ा जा सकता है। इसमें तीन सवाल हल हो गए, पैसा खाया गया, जो डील थी, उसमें ऊपर-नीचे किया गया। लेकिन इसके बाद भी वहां की सरकार ने पकड़ लिया, केस चला दिया और जब आप गए तो आपको टका सा जवाब दे दिया कि यहां केस चला रहा है, यहां की अदालत फैसला करेगी, आपको क्या बता दें। ये गए थे वहां नाटक करने, नाटक करना है। उसको पकड़ना कौन सी बड़ी बात है।...(व्यवधान) क्या सीबीआई उसमें माथा मारेगी? सीबीआई इस मामले में कुछ नहीं कर सकती है। सीबीआई को हमने ठीक नहीं किया, आपने ठीक नहीं किया।...(व्यवधान) क्या कोई ऐसी चीज इसने पता लगाई। हां, कत्ल के केस में पता लगाया, अपराध के मामले में वह ठीक है। मैं मानता हूं। अगर वे फ्री रहते, तो ठीक काम कर लेते।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : माननीय सदस्य अगर संक्षेप में बोलें, तो अच्छा होगा। यह शून्यकाल है।

श्री शरद यादव : महोदय, मैं मानता हूं कि मन में जो तकलीफ है, वह शून्यकाल में शून्य को तोड़कर आगे आ गयी है।...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष महोदय : कभी-कभी उसे उस गोल चक्कर के अंदर आना चाहिए।

श्री शरद यादव : उपाध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से सरकार से अपील करना चाहता हूं कि जो यहां वाला आदमी है, जिसने यहां दलाली खाई है, जो यहां का ब्रोकर है, जो यहां पर देश के डिफेंस के सब तरह के मामलो को सरकने नहीं देता है, उसे पकड़िए। अब यदि यह डील कैंसिल हो गयी, तो यह सौदा सात साल पीछे जाएगा। अगर कोई दूसरी डील करेंगे, तो सात साल बाद ही हेलीकॉप्टर आ पाएगा। इसलिए मेरी विनती है कि फाइनेंस मिनिस्ट्री या सरकार यह पता लगाए कि इस देश में किसने यह माल काटा है, कितना बड़ा है, कितना छोटा है, उसे छोड़ दीजिए। कुछ लोग कह रहे हैं कि इससे फौज का मनोबल टूट जाएगा। वाह जी, वाह। चोरी से मनोबल टूटता है या गलत काम करने वालों को पकड़ने से मनोबल बढ़ता है। हमारे लोग सबसे ज्यादा फौज में हैं। सबसे ज्यादा फौज में हैं, सबसे ज्यादा तंग हैं। इससे मनोबल कैसे घटेगा। कई लोग बैठ गए टीवी पर, चैनल में बैठ गए हैं। वह जनरल, जो रिटायर हो गया है, वह दलालों के साथ बैठकर क्या कर रहा था? जनरल है तो क्या हुआ, जब जनरल थे तो इज्जत करते थे, लेकिन वह बिचौलियों के साथ बैठकर क्या कर रहे हैं, उनके नाते-रिश्तेदार, भाई-भतीजे क्या कर रहे हैं। फौज़ के बारे में कुछ लोग कहते हैं कि इससे फौज़ का मनोबल टूट जाएगा। फौज में अगर कोई अधिकारी ईमानदारी से काम करता है तो उसका मान-सम्मान होता है। यह नहीं होता है कि रिटायर होने के बाद बिचौलियों के साथ बैठता हो। आपके पास वे सब नाम हैं, आपके इर्द-गिर्द ही घूम रहे हैं, हमें भी पता चलता रहता है। आपने कहा कि सीबीआई जांच करेगी, वह क्या जांच करेगी। आपको संविधान ने ताकत दी है, पुलिस आपके साथ है, सब तरह की ताकत है, तो क्यों नहीं नाम सामने आते, जिन्होंने दलाली खाई है। सीधा सा सवाल है, कि उस बिचौलिए को पकड़ो, किस-किसको पैसा मिला है, उन्हें पकड़ कर अंदर करेंगे तो अन्य के लिए दहशत होगी और बिचौलियों का रास्ता बंद हो जाएगा। इसलिए जो मौज-मस्ती में हैं, उन्हें अंदर करो। यही मेरी विनती है।

उपाध्यक्ष महोदय: श्री विजय बहादुर सिंह, आपने शून्य काल में बोलने के लिए दो नोटिस दिए हैं। आप नियमों के अनुसार सिर्फ एक विषय पर ही बोल सकते हैं और आपसे निवेदन है कि आपस में उन्हें न जोड़ें।